मिलती जहाँ की दौलत ख्वाजा के शहर में | By Amjad Sabri

मिलती जहाँ की दौलत ख्वाजा के शहर में
बदले सभी की किस्मत ख्वाजा के शहर में

है गरीबो का दाता मेरा ख्वाजा मोईनुद्दीन .....

अर्शे बरी का जीना हर ज़र्रा है नगीना
बरसे खुदा की रेहमत ख्वाजा के शहर में
मिलती जहाँ की दौलत ख्वाजा के शहर में

है गरीबो का दाता मेरा ख्वाजा मोईनुद्दीन .....

उस सरज़मीं से देखो तैबा दिखाई दे
मस्तानो की है जन्नत ख्वाजा के शहर में
मिलती जहाँ की दौलत ख्वाजा के शहर में

है गरीबो का दाता मेरा ख्वाजा मोईनुद्दीन .....

मौला अली का सदका ख्वाजा लुटा रहे हैं
होगी चलो इनायत ख्वाजा के शहर में
मिलती जहाँ की दौलत ख्वाजा के शहर में

है गरीबो का दाता मेरा ख्वाजा मोईनुद्दीन .....

तारिक़ दयारे ख्वाजा दुल्हन बानी हुई है
वलियों की देखो कसरत ख्वाजा के शहर में
मिलती जहाँ की दौलत ख्वाजा के शहर में

है गरीबो का दाता मेरा ख्वाजा मोईनुद्दीन .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%bf%e0%a4%b2%e0%a4%a4%e0%a5%80-%e0%a4%9c%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%81-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%a6%e0%a5%8c%e0%a4%b2%e0%a4%a4-%e0%a4%96%e0%a5%8d%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%9c%e0%a4%be/